Date
20/04/2020

Pedagogy of Physical Science B.Ed. Ist Year

Topic - Simulation (अनुकरण) Period - IVth

अनुकरण (Simulation) का अर्थ ⇒

अनुकरण का शाब्दिक अर्थ है नकल करना तथा इसका वास्तविक अर्थ है भूमिका निर्वाह (Role Playing)। तात्पर्य यह है कि किसी दी गई कृत्रिम परिस्थिति में बिल्कुल यथार्थ जैसा शिक्षण करना अनुकरण शिक्षण कहलाता है।

इस विधि का सर्वप्रथम प्रयोग क्रुक शेंक (Cruck Shank) ने सन 1966 में अमेरिका में गावों में शिक्षण प्रशिक्षण के क्षेत्र में किया।

आजकल इस विधि का प्रयोग प्रबन्धन, प्रशासन, चिकित्सा आदि क्षेत्रों में पर्याप्त रूप से होने लगा है।

परिभाषा (Definitions) ⇒

1- फिर्क —

वास्तविक अथवा यथार्थ तथ्यों (परिस्थितियों) का नियंत्रित प्रतिनिधित्व करना ही अनुकरण है"।

2 विधि – " अनुकरणीय स्थितियों का निर्माण उस समय किया जाता है जब छात्राध्यापकों को विशिष्ट अनुकरणीय सामग्रियों का सामना कर वांछित अनुक्रियाएँ करनी पड़ती है"।

Types of Simulations

अनुकरण की तकनीक का इस्तेमाल करने की भिन्न भिन्न विधियाँ है, जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

1 => पहचान अनुरूपण (Identity Simulations)

2 => प्रयोगशाला अनुरूपण (Laboratory Simulations)

3 = विश्लेषणात्मक अनुरूपण (Analytical Simulations)

4 => व्यक्तित अध्ययन अनुरूपण (Case-study Simulations)

अनुकरण की उपयोगिता =>

अनुकरण की उपयोगिता निम्न प्रकार है-

1 => इसमें विद्यार्थी कृत्रिम परिस्थिति में स्वभाविक रूप से कार्य करते है।

2 => विद्यार्थी को पूर्व अभ्यास के लिये अनेक अवसर प्राप्त होते है।

3= विद्यार्थी को पृष्ठपोषण को प्राप्त होती है।

4= यह सरल तथा सुगम माध्यम है।

5= इसके द्वारा विद्यार्थियों को एक बड़े समूह को अधिगम कराया जा सकता है।

6= इसमें विद्यार्थियों में आत्मविश्वास को भावना का विकास होता है।

सीमायें (Limitations)

इस विधि की सीमायें निम्न प्रकार है-

1= इस प्रविधि का प्रयोग सभी विषयों के पाठ्यक्रमों के लिये नहीं किया जा सकता।

2= इस प्रविधि में बहुत ही विकसित और महंगी किस्म की श्रव्य दृश्य सामग्री प्रयुक्त होती है।

3= इस प्रविधि का प्रयोग छोटे बालकों पर के साथ नहीं किया जा सकता।

4= सीखने की प्रक्रिया में छात्र के ध्यान को केन्द्रित होना आवश्यक है वरना यह शिक्षण एक प्रकार का खेल बनकर रह जायेगा।

5= प्रेषक की भूमिका में विद्यार्थी द्वारा कई बार गलत रिकॉर्डिंग भी हो सकती है।

सावधानियां

इस प्रविधि कुछ सावधानियां बरतनी पड़ती है जो इस प्रकार है-

1 ⇒ इस प्रविधि मे एक ही विषय के छात्रो को अभ्यास करवाना उपयुक्त रहता है।

2 ⇒ छात्र अध्यापक को अभ्यास करने से पहले सूक्ष्म - पाठ योजना तैयार करनी चाहिये।

3 ⇒ इसमे प्रत्येक छात्र को शिक्षक तथा प्रेक्षक की भूमिका अभिनीत करने का अवसर प्रदान करना चाहिये।

4 ⇒ शिक्षण के दौरान शिक्षक और प्रेक्षक का कक्षा मे रहना आवश्यक होता है। इससे कक्षा मे अनुशासन तथा गम्भीरता बनी रहती है।

Complete

Usha
2/4/2020